Леонид Гаврилов · Leonid Gavrilov

ПСАЛТИРЬ · भजन संहिता

Русский (Септуагинта, LXX) | Хинди — Indian Revised Version — хинди (2019)
Псалтирь параллельная · 151 псалом · 20 кафизм

Typikon.site

О колонках этого издания. Левая колонка следует греческой Септуагинте (LXX) — тексту богослужебной традиции; правая — перевод Indian Revised Version — хинди (2019) (CC BY-SA 4.0 © 2019 Bridge Connectivity Solutions), выполненный с масоретского текста: у него иная нумерация псалмов и стихов (обе нумерации приведены), отдельные чтения различаются, а 151-й псалом отсутствует. Колонки печатаются параллельно выровненными рядами (стих напротив стиха по порядку следования); из-за разного деления стихов соответствие рядов приблизительное — номера каждой колонки собственные. Правая колонка воспроизводится по своему изданию как есть и следует конвенциям собственной традиции — в том числе в передаче Имени Божия, именах собственных и делении стихов; эти конвенции не выражают стандарт настоящей серии. Стих, слитый в издании с соседним, печатается под составным номером; прочерк означает, что стих в этом издании отсутствует.

© 2026 LG, aka Typikon.site
Составление, аппарат и вёрстка — лицензия Creative Commons Attribution-NonCommercial-NoDerivatives 4.0 International (https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/). Тексты колонок сохраняют указанные при них лицензии.
Publisher: Typikon.site · A4 (альбомный)
ISBN 978-9925-620-0-2026

Кафизма 1

Слава I

Псалом 1 · MT 1

Псалом Давида.

1 Блажен муж, который не ходит на совет нечестивых и не стоит на пути грешных и не сидит в собрании развратителей,

2 но в законе Господа воля его, и о законе Его размышляет он день и ночь!

3 И будет он как дерево, посаженное при потоках вод, которое приносит плод свой во время свое, и лист которого не вянет; и во всем, что он ни делает, успеет.

4 Не так - нечестивые, [не так]: но они - как прах, возметаемый ветром [с лица земли].

5 Потому не устоят нечестивые на суде, и грешники - в собрании праведных.

6 Ибо знает Господь путь праведных, а путь нечестивых погибнет.

1 क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो दुष्टों की योजना पर नहीं चलता, और न पापियों के मार्ग में खड़ा होता; और न ठट्ठा करनेवालों की मण्डली में बैठता है!

2 परन्तु वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता; और उसकी व्यवस्था पर रात-दिन ध्यान करता रहता है।

3 वह उस वृक्ष के समान है, जो बहती पानी की धाराओं के किनारे लगाया गया है और अपनी ऋतु में फलता है, और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। और जो कुछ वह पुरुष करे वह सफल होता है।

4 दुष्ट लोग ऐसे नहीं होते, वे उस भूसी के समान होते हैं, जो पवन से उड़ाई जाती है।

5 इस कारण दुष्ट लोग अदालत में स्थिर न रह सकेंगे, और न पापी धर्मियों की मण्डली में ठहरेंगे;

6 क्योंकि यहोवा धर्मियों का मार्ग जानता है, परन्तु दुष्टों का मार्ग नाश हो जाएगा।

Псалом 2 · MT 2

Псалом Давида.

1 Зачем мятутся народы, и племена замышляют тщетное?

2 Восстают цари земли, и князья совещаются вместе против Господа и против Помазанника Его.

3 "Расторгнем узы их, и свергнем с себя оковы их".

4 Живущий на небесах посмеется, Господь поругается им.

5 Тогда скажет им во гневе Своем и яростью Своею приведет их в смятение:

6 "Я помазал Царя Моего над Сионом, святою горою Моею;

7 возвещу определение: Господь сказал Мне: Ты Сын Мой; Я ныне родил Тебя;

8 проси у Меня, и дам народы в наследие Тебе и пределы земли во владение Тебе;

9 Ты поразишь их жезлом железным; сокрушишь их, как сосуд горшечника".

10 Итак вразумитесь, цари; научитесь, судьи земли!

11 Служите Господу со страхом и радуйтесь [пред Ним] с трепетом.

12 Почтите Сына, чтобы Он не прогневался, и чтобы вам не погибнуть в пути вашем, ибо гнев Его возгорится вскоре. Блаженны все, уповающие на Него.

1 जाति-जाति के लोग क्यों हुल्लड़ मचाते हैं, और देश-देश के लोग क्यों षड्यंत्र रचते हैं?

2 यहोवा के और उसके अभिषिक्त के विरुद्ध पृथ्वी के राजागण मिलकर, और हाकिम आपस में षड्यंत्र रचकर, कहते हैं, (प्रका. 11:18, प्रेरि. 4:25,26, प्रका. 19:19)

3 “आओ, हम उनके बन्धन तोड़ डालें, और उनकी रस्सियों को अपने ऊपर से उतार फेंके।”

4 वह जो स्वर्ग में विराजमान है, हँसेगा, प्रभु उनको उपहास में उड़ाएगा।

5 तब वह उनसे क्रोध में बातें करेगा, और क्रोध में यह कहकर उन्हें भयभीत कर देगा,

6 “मैंने तो अपने चुने हुए राजा को, अपने पवित्र पर्वत सिय्योन की राजगद्दी पर नियुक्त किया है।”

7 मैं उस वचन का प्रचार करूँगा: जो यहोवा ने मुझसे कहा, “तू मेरा पुत्र है; आज मैं ही ने तुझे जन्माया है। (मत्ती 3:17, मत्ती 17:5, मर. 1:11, मर. 9:7, लूका 3:22, लूका 9:35, यूह. 1:49, प्रेरि. 13:33, इब्रा. 1:5, इब्रा. 5:5, 2 पत. 1:17)

8 मुझसे माँग, और मैं जाति-जाति के लोगों को तेरी सम्पत्ति होने के लिये, और दूर-दूर के देशों को तेरी निज भूमि बनने के लिये दे दूँगा। (इब्रा. 1:2)

9 तू उन्हें लोहे के डंडे से टुकड़े-टुकड़े करेगा। तू कुम्हार के बर्तन के समान उन्हें चकनाचूर कर डालेगा।” (प्रका. 2:27, प्रका. 12:5, प्रका. 19:15)

10 इसलिए अब, हे राजाओं, बुद्धिमान बनो; हे पृथ्वी के शासकों, सावधान हो जाओ।

11 डरते हुए यहोवा की उपासना करो, और काँपते हुए मगन हो। (फिलि. 2:12)

12 पुत्र को चूमो ऐसा न हो कि वह क्रोध करे, और तुम मार्ग ही में नाश हो जाओ, क्योंकि क्षण भर में उसका क्रोध भड़कने को है। धन्य है वे जो उसमें शरण लेते है।

Псалом 3 · MT 3

Псалом Давида, когда он бежал от Авессалома, сына своего.

1 Господи! как умножились враги мои! Многие восстают на меня

2 многие говорят душе моей: "нет ему спасения в Боге".

3 Но Ты, Господи, щит предо мною, слава моя, и Ты возносишь голову мою.

1 हे यहोवा मेरे सतानेवाले कितने बढ़ गए हैं! वे जो मेरे विरुद्ध उठते हैं बहुत हैं।

2 बहुत से मेरे विषय में कहते हैं, कि उसका बचाव परमेश्वर की ओर से नहीं हो सकता। (सेला)

3 परन्तु हे यहोवा, तू तो मेरे चारों ओर मेरी ढाल है, तू मेरी महिमा और मेरे मस्तक का ऊँचा करनेवाला है।

4 Гласом моим взываю к Господу, и Он слышит меня со святой горы Своей.

5 Ложусь я, сплю и встаю, ибо Господь защищает меня.

6 Не убоюсь тем народа, которые со всех сторон ополчились на меня.

7 Восстань, Господи! спаси меня, Боже мой! ибо Ты поражаешь в ланиту всех врагов моих; сокрушаешь зубы нечестивых.

8 От Господа спасение. Над народом Твоим благословение Твое.

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Слава II

Псалом 4 · MT 4

Начальнику хора. На струнных орудиях. Псалом Давида.

1 Когда я взываю, услышь меня, Боже правды моей! В тесноте Ты давал мне простор. Помилуй меня и услышь молитву мою.

2 Сыны мужей! доколе слава моя будет в поругании? доколе будете любить суету и искать лжи?

3 Знайте, что Господь отделил для Себя святаго Своего; Господь слышит, когда я призываю Его.

4 Гневаясь, не согрешайте: размыслите в сердцах ваших на ложах ваших, и утишитесь;

5 приносите жертвы правды и уповайте на Господа.

6 Многие говорят: "кто покажет нам благо?" Яви нам свет лица Твоего, Господи!

7 Ты исполнил сердце мое веселием с того времени, как у них хлеб и вино [и елей] умножились.

8 Спокойно ложусь я и сплю, ибо Ты, Господи, един даешь мне жить в безопасности.

Псалом 5 · MT 5

Начальнику хора. На духовых орудиях. Псалом Давида.

1 Услышь, Господи, слова мои, уразумей помышления мои.

2 Внемли гласу вопля моего, Царь мой и Бог мой! ибо я к Тебе молюсь.

3 Господи! рано услышь голос мой, - рано предстану пред Тобою, и буду ожидать,

4 ибо Ты Бог, не любящий беззакония; у Тебя не водворится злой;

5 нечестивые не пребудут пред очами Твоими: Ты ненавидишь всех, делающих беззаконие.

6 Ты погубишь говорящих ложь; кровожадного и коварного гнушается Господь.

7 А я, по множеству милости Твоей, войду в дом Твой, поклонюсь святому храму Твоему в страхе Твоем.

8 Господи! путеводи меня в правде Твоей, ради врагов моих; уровняй предо мною путь Твой.

4 मैं ऊँचे शब्द से यहोवा को पुकारता हूँ, और वह अपने पवित्र पर्वत पर से मुझे उत्तर देता है। (सेला)

5 मैं लेटकर सो गया; फिर जाग उठा, क्योंकि यहोवा मुझे सम्भालता है।

6 मैं उस भीड़ से नहीं डरता, जो मेरे विरुद्ध चारों ओर पाँति बाँधे खड़े हैं।

7 उठ, हे यहोवा! हे मेरे परमेश्वर मुझे बचा ले! क्योंकि तूने मेरे सब शत्रुओं के जबड़ों पर मारा है। और तूने दुष्टों के दाँत तोड़ डाले हैं।

8 उद्धार यहोवा ही की ओर से होता है; हे यहोवा तेरी आशीष तेरी प्रजा पर हो।

1 हे मेरे धर्ममय परमेश्वर, जब मैं पुकारूँ तब तू मुझे उत्तर दे; जब मैं संकट में पड़ा तब तूने मुझे सहारा दिया। मुझ पर अनुग्रह कर और मेरी प्रार्थना सुन ले।

2 हे मनुष्यों, कब तक मेरी महिमा का अनादर होता रहेगा? तुम कब तक व्यर्थ बातों से प्रीति रखोगे और झूठी युक्ति की खोज में रहोगे? (सेला)

3 यह जान रखो कि यहोवा ने भक्त को अपने लिये अलग कर रखा है; जब मैं यहोवा को पुकारूँगा तब वह सुन लेगा।

4 काँपते रहो और पाप मत करो; अपने-अपने बिछौने पर मन ही मन में ध्यान करो और चुपचाप रहो। (सेला) (इफि. 4:26)

5 धार्मिकता के बलिदान चढ़ाओ, और यहोवा पर भरोसा रखो।

6 बहुत से हैं जो कहते हैं, “कौन हमको कुछ भलाई दिखाएगा?” हे यहोवा, तू अपने मुख का प्रकाश हम पर चमका!

7 तूने मेरे मन में उससे कहीं अधिक आनन्द भर दिया है, जो उनको अन्न और दाखमधु की बढ़ती से होता है।

8 मैं शान्ति से लेट जाऊँगा और सो जाऊँगा; क्योंकि, हे यहोवा, केवल तू ही मुझ को निश्चिन्त रहने देता है।

1 हे यहोवा, मेरे वचनों पर कान लगा; मेरे कराहने की ओर ध्यान लगा।

2 हे मेरे राजा, हे मेरे परमेश्वर, मेरी दुहाई पर ध्यान दे, क्योंकि मैं तुझी से प्रार्थना करता हूँ।

3 हे यहोवा, भोर को मेरी वाणी तुझे सुनाई देगी, मैं भोर को प्रार्थना करके तेरी बाट जोहूँगा।

4 क्योंकि तू ऐसा परमेश्वर है, जो दुष्टता से प्रसन्न नहीं होता; बुरे लोग तेरे साथ नहीं रह सकते।

5 घमण्डी तेरे सम्मुख खड़े होने न पाएँगे; तुझे सब अनर्थकारियों से घृणा है।

6 तू उनको जो झूठ बोलते हैं नाश करेगा; यहोवा तो हत्यारे और छली मनुष्य से घृणा करता है।

7 परन्तु मैं तो तेरी अपार करुणा के कारण तेरे भवन में आऊँगा, मैं तेरा भय मानकर तेरे पवित्र मन्दिर की ओर दण्डवत् करूँगा।

8 हे यहोवा, मेरे शत्रुओं के कारण अपने धार्मिकता के मार्ग में मेरी अगुआई कर; मेरे आगे-आगे अपने सीधे मार्ग को दिखा।

9 Ибо нет в устах их истины: сердце их - пагуба, гортань их - открытый гроб, языком своим льстят.

10 Осуди их, Боже, да падут они от замыслов своих; по множеству нечестия их, отвергни их, ибо они возмутились против Тебя.

11 И возрадуются все уповающие на Тебя, вечно будут ликовать, и Ты будешь покровительствовать им; и будут хвалиться Тобою любящие имя Твое.

12 Ибо Ты благословляешь праведника, Господи; благоволением, как щитом, венчаешь его.

Псалом 6 · MT 6

Начальнику хора. На восьмиструнном. Псалом Давида.

1 Господи! не в ярости Твоей обличай меня и не во гневе Твоем наказывай меня.

2 Помилуй меня, Господи, ибо я немощен; исцели меня, Господи, ибо кости мои потрясены;

3 и душа моя сильно потрясена; Ты же, Господи, доколе?

4 Обратись, Господи, избавь душу мою, спаси меня ради милости Твоей,

5 ибо в смерти нет памятования о Тебе: во гробе кто будет славить Тебя?

6 Утомлен я воздыханиями моими: каждую ночь омываю ложе мое, слезами моими омочаю постель мою.

7 Иссохло от печали око мое, обветшало от всех врагов моих.

8 Удалитесь от меня все, делающие беззаконие, ибо услышал Господь голос плача моего,

9 услышал Господь моление мое; Господь примет молитву мою.

10 Да будут постыжены и жестоко поражены все враги мои; да возвратятся и постыдятся мгновенно.

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Слава III

Псалом 7 · MT 7

Плачевная песнь, которую Давид воспел Господу по делу Хуса, из племени Вениаминова.

1 Господи, Боже мой! на Тебя я уповаю; спаси меня от всех гонителей моих и избавь меня;

2 да не исторгнет он, подобно льву, души моей, терзая, когда нет избавляющего [и спасающего].

3 Господи, Боже мой! если я что сделал, если есть неправда в руках моих,

4 если я платил злом тому, кто был со мною в мире, - я, который спасал даже того, кто без причины стал моим врагом, -

5 то пусть враг преследует душу мою и настигнет, пусть втопчет в землю жизнь мою, и славу мою повергнет в прах.

6 Восстань, Господи, во гневе Твоем; подвигнись против неистовства врагов моих, пробудись для меня на суд, который Ты заповедал, -

9 क्योंकि उनके मुँह में कोई सच्चाई नहीं ; उनके मन में निरी दुष्टता है । उनका गला खुली हुई कब्र है , वे अपनी जीभ से चिकनी चुपड़ी बातें करते हैं । (रोम. 3:13)

10 हे परमेश्वर तू उनको दोषी ठहरा ; वे अपनी ही युक्तियों से आप ही गिर जाएँ ; उनको उनके अपराधों की अधिकाई के कारण निकाल बाहर कर, क्योंकि उन्होंने तुझ से बलवा किया है ।

11 परन्तु जितने तुझ में शरण लेते हैं वे सब आनन्द करें, वे सर्वदा ऊँचे स्वर से गाते रहें ; क्योंकि तू उनकी रक्षा करता है, और जो तेरे नाम के प्रेमी हैं तुझ में प्रफुल्लित हों ।

12 क्योंकि तू धर्मी को आशीष देगा ; हे यहोवा, तू उसको ढाल के समान अपनी कृपा से घेरे रहेगा ।

1 हे यहोवा, तू मुझे अपने क्रोध में न डाँट , और न रोष में मुझे ताड़ना दे ।

2 हे यहोवा, मुझ पर दया कर, क्योंकि मैं कुम्हला गया हूँ ; हे यहोवा, मुझे चंगा कर, क्योंकि मेरी हड्डियों में बेचैनी है ।

3 मेरा प्राण भी बहुत खेदित है । और तू, हे यहोवा, कब तक ? (यूह. 12:27)

4 लौट आ, हे यहोवा , और मेरे प्राण बचा ; अपनी करुणा के निमित्त मेरा उद्धार कर ।

5 क्योंकि मृत्यु के बाद तेरा स्मरण नहीं होता ; अधोलोक में कौन तेरा धन्यवाद करेगा ?

6 मैं कराहते-कराहते थक गया ; मैं अपनी खाट आँसुओं से भिगोता हूँ ; प्रति रात मेरा बिछौना भीगता है ।

7 मेरी आँखें शोक से बैठी जाती हैं, और मेरे सब सतानेवालों के कारण वे धुँधला गई हैं ।

8 हे सब अनर्थकारियों मेरे पास से दूर हो ; क्योंकि यहोवा ने मेरे रोने का शब्द सुन लिया है । (मत्ती 7:23, लूका 13:27)

9 यहोवा ने मेरा गिड़गिड़ाना सुना है ; यहोवा मेरी प्रार्थना को ग्रहण भी करेगा ।

10 मेरे सब शत्रु लज्जित होंगे और बहुत ही घबराएँगे ; वे पराजित होकर पीछे हटेंगे, और एकाएक लज्जित होंगे ।

1 हे मेरे परमेश्वर यहोवा, मैं तुझ में शरण लेता हूँ ; सब पीछा करनेवालों से मुझे बचा और छुटकारा दे,

2 ऐसा न हो कि वे मुझ को सिंह के समान फाड़कर टुकड़े-टुकड़े कर डालें ; और कोई मेरा छुड़ानेवाला न हो ।

3 हे मेरे परमेश्वर यहोवा, यदि मैंने यह किया हो, यदि मेरे हाथों से कुटिल काम हुआ हो,

4 यदि मैंने अपने मेल रखनेवालों से भलाई के बदले बुराई की हो, या मैंने उसको जो अकारण मेरा बैरी था लूटा है

5 तो शत्रु मेरे प्राण का पीछा करके मुझे आ पकड़े , और मेरे प्राण को भूमि पर रौंदे, और मुझे अपमानित करके मिट्टी में मिला दे । (सेला)

6 हे यहोवा अपने क्रोध में उठ ; क्रोध से भरे मेरे सतानेवाले के विरुद्ध तू खड़ा हो जा ; मेरे लिये जाग ! तूने न्याय की आज्ञा दे दी है ।

7 сонм людей станет вокруг Тебя; над ним поднимись на высоту.

8 Господь судит народы. Суди меня, Господи, по правде моей и по непорочности моей во мне.

9 Да прекратится злоба нечестивых, а праведника подкрепи, ибо Ты испытуешь сердца и утробы, праведный Боже!

10 Щит мой в Боге, спасающем правых сердцем.

11 Бог - судия праведный, [крепкий и долготерпеливый,] и Бог, всякий день строго взыскивающий,

12 если кто не обращается. Он изощряет Свой меч, напрягает лук Свой и направляет его,

13 приготовляет для него сосуды смерти, стрелы Свои делает палящими.

14 Вот, нечестивый зачал неправду, был чреват злобою и родил себе ложь;

15 рыл ров, и выкопал его, и упал в яму, которую приготовил:

16 злоба его обратится на его голову, и злодейство его упадет на его темя.

17 Славлю Господа по правде Его и пою имени Господа Всевышнего.

Псалом 8 · MT 8

Начальнику хора. На Гефском орудии. Псалом Давида.

1 Господи, Боже наш! как величественно имя Твое по всей земле! Слава Твоя простирается превыше небес!

2 Из уст младенцев и грудных детей Ты устроил хвалу, ради врагов Твоих, дабы сделать безмолвным врага и мстителя.

3 Когда взираю я на небеса Твои - дело Твоих перстов, на луну и звезды, которые Ты поставил,

4 то что есть человек, что Ты помнишь его, и сын человеческий, что Ты посещаешь его?

5 Не много Ты умалил его пред Ангелами: славою и честью увенчал его;

6 поставил его владыкою над делами рук Твоих; все положил под ноги его:

7 овец и волов всех, и также полевых зверей,

8 птиц небесных и рыб морских, все, преходящее морскими стезями.

9 Господи, Боже наш! Как величественно имя Твое по всей земле!

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

7 देश-देश के लोग तेरे चारों ओर इकट्ठे हुए है ; तू फिर से उनके ऊपर विराजमान हो।

8 यहोवा जाति-जाति का न्याय करता है ; यहोवा मेरी धार्मिकता और खराई के अनुसार मेरा न्याय चुका दे।

9 भला हो कि दुष्टों की बुराई का अन्त हो जाए, परन्तु धर्मी को तू स्थिर कर ; क्योंकि धर्मी परमेश्वर मन और मर्म का ज्ञाता है।

10 मेरी ढाल परमेश्वर के हाथ में है, वह सीधे मनवालों को बचाता है।

11 परमेश्वर धर्मी और न्यायी है , वरन् ऐसा परमेश्वर है जो प्रतिदिन क्रोध करता है।

12 यदि मनुष्य मन न फिराए तो वह अपनी तलवार पर सान चढाएगा ; और युद्ध के लिए अपना धनुष तैयार करेगा। (लूका 13:3-5)

13 और उस मनुष्य के लिये उसने मृत्यु के हथियार तैयार कर लिए हैं : वह अपने तीरों को अग्निबाण बनाता है।

14 देख दुष्ट को अनर्थ काम की पीडाएँ हो रही हैं, उसको उत्पात का गर्भ है, और उससे झूठ का जन्म हुआ।

15 उसने गड्ढे खोदकर उसे गहरा किया, और जो खाई उसने बनाई थी उसमें वह आप ही गिरा।

16 उसका उत्पात पलटकर उसी के सिर पर पडेगा ; और उसका उपद्रव उसी के माथे पर पडेगा।

17 मैं यहोवा के धर्म के अनुसार उसका धन्यवाद करूँगा, और परमप्रधान यहोवा के नाम का भजन गाऊँगा।

1 हे यहोवा हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर क्या ही प्रतापमय है ! तूने अपना वैभव स्वर्ग पर दिखाया है।

2 तूने अपने बैरियों के कारण बच्चों और शिशुओं के द्वारा अपनी प्रशंसा की है, ताकि तू शत्रु और पलटा लेनेवालों को रोक रखे। (मत्ती 21:16)

3 जब मैं आकाश को, जो तेरे हाथों का कार्य है, और चन्द्रमा और तरागण को जो तूने नियुक्त किए हैं, देखता हूँ ;

4 तो फिर मनुष्य क्या है कि तू उसका स्मरण रखे, और आदमी क्या है कि तू उसकी सुधि ले ?

5 क्योंकि तूने उसको परमेश्वर से थोडा ही कम बनाया है, और महिमा और प्रताप का मुकुट उसके सिर पर रखा है।

6 तूने उसे अपने हाथों के कार्यों पर प्रभुता दी है ; तूने उसके पाँव तले सब कुछ कर दिया है । (1 कुरि. 15:27, इफि. 1:22, इब्रा. 2:6-8, प्रेरि. 17:31)

7 सब भेड़-बकरी और गाय-बैल और जितने वन पशु हैं,

8 आकाश के पक्षी और समुद्र की मछलियाँ, और जितने जीव-जन्तु समुद्रों में चलते फिरते हैं।

9 हे यहोवा, हे हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर क्या ही प्रतापमय है।

Кафизма 2

Слава I

Псалом 9 · MT 9 + 10

Начальнику хора. По смерти Лабена. Псалом Давида.

1 Буду славить [Тебя], Господи, всем сердцем моим, возвещать все чудеса Твои.

2 Буду радоваться и торжествовать о Тебе, петь имени Твоему, Всевышний.

3 Когда враги мои обращены назад, то преткнутся и погибнут пред лицем Твоим,

4 ибо Ты производил мой суд и мою тяжбу; Ты воссел на престоле, Судия праведный.

5 Ты вознегодовал на народы, погубил нечестивого, имя их изгладил на веки и веки.

6 У врага совсем не стало оружия, и города Ты разрушил; погибла память их с ними.

7 Но Господь пребывает вовек; Он приготовил для суда престол Свой,

8 и Он будет судить вселенную по правде, совершит суд над народами по правоте.

9 И будет Господь прибежищем угнетенному, прибежищем во времена скорби;

10 и будут уповать на Тебя знающие имя Твое, потому что Ты не оставляешь ищущих Тебя, Господи.

11 Пойте Господу, живущему на Сионе, возвещайте между народами дела Его,

12 ибо Он взыскивает за кровь; помнит их, не забывает вопля угнетенных.

13 Помилуй меня, Господи; воззри на страдание мое от ненавидящих меня, - Ты, Который возносишь меня от врат смерти,

14 чтобы я возвещал все хвалы Твои во вратах дщери Сионовой: буду радоваться о спасении Твоем.

15 Обрушились народы в яму, которую выкопали; в сети, которую скрыли они, запуталась нога их.

16 Познан был Господь по суду, который Он совершил; нечестивый уловлен делами рук своих.

17 Да обратятся нечестивые в ад, - все народы, забывающие Бога.

18 Ибо не навсегда забыт будет нищий, и надежда бедных не до конца погибнет.

19 Восстань, Господи, да не преобладает человек, да судятся народы пред лицем Твоим.

20 Наведи, Господи, страх на них; да знают народы, что человеки они.

21 Для чего, Господи, стоишь вдали, скрываешь Себя во время скорби?

22 По гордости своей нечестивый преследует бедного: да уловятся они ухищрениями, которые сами вымышляют.

23 Ибо нечестивый хвалится похотью души своей; корыстолюбец ублажает себя.

24 В надмении своем нечестивый пренебрегает Господа: "не взыщет"; во всех помыслах его: "нет Бога!"

25 Во всякое время пути его гибельны; суды Твои далеки для него; на всех врагов своих он смотрит с пренебрежением;

26 говорит в сердце своем: "не поколеблюсь; в род и род не приключится мне зла";

27 уста его полны проклятия, коварства и лжи; под языком - его мучение и пагуба;

9:1 हे यहोवा परमेश्वर मैं अपने पूर्ण मन से तेरा धन्यवाद करूँगा; मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों का वर्णन करूँगा।

9:2 मैं तेरे कारण आनन्दित और प्रफुल्लित होऊँगा, हे परमप्रधान, मैं तेरे नाम का भजन गाऊँगा।

9:3 मेरे शत्रु पराजित होकर पीछे हटते हैं, वे तेरे सामने से ठोकर खाकर नाश होते हैं।

9:4 तूने मेरे मुकद्दमे का न्याय मेरे पक्ष में किया है; तूने सिंहासन पर विराजमान होकर धार्मिकता से न्याय किया।

9:5 तूने जाति-जाति को झिड़का और दुष्ट को नाश किया है; तूने उनका नाम अनन्तकाल के लिये मिटा दिया है।

9:6 शत्रु अनन्तकाल के लिये उजड़ गए हैं; उनके नगरों को तूने ढा दिया, और उनका नाम और निशान भी मिट गया है।

9:7 परन्तु यहोवा सदैव सिंहासन पर विराजमान है, उसने अपना सिंहासन न्याय के लिये सिद्ध किया है;

9:8 और वह जगत का न्याय धर्म से करेगा, वह देश-देश के लोगों का मुकद्दमा खराई से निपटाएगा। (भज. 96:13, प्रेरि. 17:31)

9:9 यहोवा पिसे हुओं के लिये ऊँचा गढ़ ठहरेगा, वह संकट के समय के लिये भी ऊँचा गढ़ ठहरेगा।

9:10 और तेरे नाम के जाननेवाले तुझ पर भरोसा रखेंगे, क्योंकि हे यहोवा तूने अपने खोजियों को त्याग नहीं दिया।

9:11 यहोवा जो सिय्योन में विराजमान है, उसका भजन गाओ! जाति-जाति के लोगों के बीच में उसके महाकर्मों का प्रचार करो!

9:12 क्योंकि खून का पलटा लेनेवाला उनको स्मरण करता है; वह पिसे हुओं की दुहाई को नहीं भूलता।

9:13 हे यहोवा, मुझ पर दया कर। देख, मेरे बैरी मुझ पर अत्याचार कर रहे है, तू ही मुझे मृत्यु के फाटकों से बचा सकता है;

9:14 ताकि मैं सिय्योन के फाटकों के पास तेरे सब गुणों का वर्णन करूँ, और तेरे किए हुए उद्धार से मगन होऊँ।

9:15 अन्य जातिवालों ने जो गड्ढा खोदा था, उसी में वे आप गिर पड़े; जो जाल उन्होंने लगाया था, उसमें उन्हीं का पाँव फँस गया।

9:16 यहोवा ने अपने को प्रगट किया, उसने न्याय किया है; दुष्ट अपने किए हुए कामों में फँस जाता है। (हिग्गायोन , सेला)

9:17 दुष्ट अधोलोक में लौट जाएँगे, तथा वे सब जातियाँ भी जो परमेश्वर को भूल जाती है।

9:18 क्योंकि दरिद्र लोग अनन्तकाल तक बिसरे हुए न रहेंगे, और न तो नम्र लोगों की आशा सर्वदा के लिये नाश होगी।

9:19 हे यहोवा, उठ, मनुष्य प्रबल न होने पाए! जातियों का न्याय तेरे सम्मुख किया जाए।

9:20 हे यहोवा, उनको भय दिला! जातियाँ अपने को मनुष्यमात्र ही जानें। (सेला)

10:1 हे यहोवा तू क्यों दूर खड़ा रहता है? संकट के समय में क्यों छिपा रहता है ?

10:2 दुष्टों के अहंकार के कारण दीन पर अत्याचार होते है; वे अपनी ही निकाली हुई युक्तियों में फँस जाएँ।

10:3 क्योंकि दुष्ट अपनी अभिलाषा पर घमण्ड करता है, और लोभी यहोवा को त्याग देता है और उसका तिरस्कार करता है।

10:4 दुष्ट अपने अहंकार में परमेश्वर को नहीं खोजता; उसका पूरा विचार यही है कि कोई परमेश्वर है ही नहीं।

10:5 वह अपने मार्ग पर दृढ़ता से बना रहता है; तेरे धार्मिकता के नियम उसकी दृष्टि से बहुत दूर ऊँचाई पर हैं, जितने उसके विरोधी हैं उन पर वह फुँकारता है।

10:6 वह अपने मन में कहता है कि “मैं कभी टलने का नहीं; मैं पीढ़ी से पीढ़ी तक दुःख से बचा रहूँगा।”

10:7 उसका मुँह श्राप और छल और धमकियों से भरा है; उत्पात और अनर्थ की बातें उसके मुँह में हैं। (रोम. 3:14)

28 сидит в засаде за двором, в потаенных местах убивает невинного; глаза его подсматривают за бедным;

29 подстерегает в потаенном месте, как лев в логовище; подстерегает в засаде, чтобы схватить бедного; хватает бедного, увлекая в сети свои;

30 сгибается, прилегает, - и бедные падают в сильные когти его;

31 говорит в сердце своем: [забыл Бог, закрыл лице Свое, не увидит никогда].

32 Восстань, Господи, Боже [мой], вознеси руку Твою, не забудь угнетенных [Твоих до конца].

33 Зачем нечестивый пренебрегает Бога, говоря в сердце своем: "Ты не взыщешь"?

34 Ты видишь, ибо Ты взираешь на обиды и притеснения, чтобы воздать Твоею рукою. Тебе предает себя бедный; сироте Ты помощник.

35 Сокруши мышцу нечестивому и злому, так чтобы искать и не найти его нечестия.

36 Господь - царь на веки, навсегда; исчезнут язычники с земли Его.

37 Господи! Ты слышишь желания смиренных; укрепи сердце их; открой ухо Твое,

38 чтобы дать суд сироте и угнетенному, да не устрашает более человек на земле.

Псалом 10 · MT 11

Начальнику хора. Псалом Давида.

1 На Господа уповаю; как же вы говорите душе моей: "улетай на гору вашу, как птица"?

2 Ибо вот, нечестивые натянули лук, стрелу свою приложили к тетиве, чтобы во тьме стрелять в правых сердцем.

3 Когда разрушены основания, что сделает праведник?

4 Господь во святом храме Своем, Господь, - престол Его на небесах, очи Его зрят [на нищего]; вежды Его испытывают сынов человеческих.

5 Господь испытывает праведного, а нечестивого и любящего насилие ненавидит душа Его.

6 Дождем прольет Он на нечестивых горящие угли, огонь и серу; и палящий ветер - их доля из чаши;

7 ибо Господь праведен, любит правду; лице Его видит праведника.

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Слава II

Псалом 11 · MT 12

Начальнику хора. На восьмиструнном. Псалом Давида.

1 Спаси [меня], Господи, ибо не стало праведного, ибо нет верных между сынами человеческими.

2 Ложь говорит каждый своему ближнему; уста льстивы, говорят от сердца притворного.

3 Истребит Господь все уста льстивые, язык велеречивый,

10:8 वह गाँवों में घात में बैठा करता है, और गुप्त स्थानों में निर्दोष को घात करता है, उसकी आँखें लाचार की घात में लगी रहती है।

10:9 वह सिंह के समान झाड़ी में छिपकर घात में बैठाता है; वह दीन को पकड़ने के लिये घात लगाता है, वह दीन को जाल में फँसाकर पकड़ लेता है।

10:10 लाचार लोगों को कुचला और पीटा जाता है, वह उसके मजबूत जाल में गिर जाते हैं।

10:11 वह अपने मन में सोचता है, "परमेश्वर भूल गया, वह अपना मुँह छिपाता है; वह कभी नहीं देखेगा।"

10:12 उठ, हे यहोवा; हे परमेश्वर, अपना हाथ बढ़ा और न्याय कर; और दीनों को न भूल।

10:13 परमेश्वर को दुष्ट क्यों तुच्छ जानता है, और अपने मन में कहता है "तू लेखा न लेगा?"

10:14 तूने देख लिया है, क्योंकि तू उत्पात और उत्पीड़न पर दृष्टि रखता है, ताकि उसका पलटा अपने हाथ में रखे; लाचार अपने आपको तुझे सौंपता है; अनाथों का तू ही सहायक रहा है।

10:15 दुर्जन और दुष्ट की भुजा को तोड़ डाल; उनकी दुष्टता का लेखा ले, जब तक कि सब उसमें से दूर न हो जाए।

10:16 यहोवा अनन्तकाल के लिये महाराज है; उसके देश में से जाति-जाति लोग नाश हो गए हैं। (रोम. 11:26,27)

10:17 हे यहोवा, तूने नम्र लोगों की अभिलाषा सुनी है; तू उनका मन दृढ़ करेगा, तू कान लगाकर सुनेगा

10:18 कि अनाथ और पिसे हुए का न्याय करे, ताकि मनुष्य जो मिट्टी से बना है फिर भय दिखाने न पाए।

1 मैं यहोवा में शरण लेता हूँ; तुम क्यों मेरे प्राण से कहते हो "पक्षी के समान अपने पहाड़ पर उड़ जा";

2 क्योंकि देखो, दुष्ट अपना धनुष चढ़ाते हैं, और अपने तीर धनुष की डोरी पर रखते हैं, कि सीधे मनवालों पर अंधियारे में तीर चलाएँ।

3 यदि नींवें ढा दी जाएँ तो धर्मी क्या कर सकता है?

4 यहोवा अपने पवित्र भवन में है; यहोवा का सिंहासन स्वर्ग में है; उसकी आँखें मनुष्य की सन्तान को नित देखती रहती हैं और उसकी पलकें उनको जाँचती हैं।

5 यहोवा धर्मी और दुष्ट दोनों को परखता है, परन्तु जो उपद्रव से प्रीति रखते हैं उनसे वह घृणा करता है।

6 वह दुष्टों पर आग और गन्धक बरसाएगा; और प्रचण्ड लूह उनके कटोरों में बाँट दी जाएँगी।

7 क्योंकि यहोवा धर्मी है, वह धार्मिकता के ही कामों से प्रसन्न रहता है; धर्मी जन उसका दर्शन पाएँगे।

1 हे यहोवा बचा ले, क्योंकि एक भी भक्त नहीं रहा; मनुष्यों में से विश्वासयोग्य लोग लुप्त हो गए हैं।

2 प्रत्येक मनुष्य अपने पड़ोसी से झूठी बातें कहता है; वे चापलूसी के होठों से दो रंगी बातें करते हैं।

3 यहोवा सब चापलूस होठों को और उस जीभ को जिससे बड़ा बोल निकलता है काट डालेगा।

4 тех, которые говорят: "языком нашим пересилим, уста наши с нами; кто нам господин"?

5 Ради страдания нищих и воздыхания бедных ныне восстану, говорит Господь, поставлю в безопасности того, кого уловить хотят.

6 Слова Господни - слова чистые, серебро, очищенное от земли в горниле, семь раз переплавленное.

7 Ты, Господи, сохранишь их, соблюдешь от рода сего вовек.

8 Повсюду ходят нечестивые, когда ничтожные из сынов человеческих возвысились.

Псалом 12 · MT 13

Начальнику хора. Псалом Давида.

1 Доколе, Господи, будешь забывать меня вконец, доколе будешь скрывать лице Твое от меня?

2 Доколе мне слагать советы в душе моей, скорбь в сердце моем день [и ночь]? Доколе врагу моему возноситься надо мною?

3 Призри, услышь меня, Господи Боже мой! Просвети очи мои, да не усну я сном смертным;

4 да не скажет враг мой: [я одолел его]. Да не возрадуются гонители мои, если я поколеблюсь.

5 Я же уповаю на милость Твою; сердце мое возрадуется о спасении Твоем; воспою Господу, облагодетельствовавшему меня, [и буду петь имени Господа Всевышнего].

—

Псалом 13 · MT 14

Начальнику хора. Псалом Давида.

1 Сказал безумец в сердце своем: [нет Бога]. Они развратились, совершили гнусные дела; нет делающего добро.

2 Господь с небес призрел на сынов человеческих, чтобы видеть, есть ли разумеющий, ищущий Бога.

3 Все уклонились, сделались равно непотребными; нет делающего добро, нет ни одного.

4 Неужели не вразумятся все, делающие беззаконие, съедающие народ мой, как едят хлеб, и не призывающие Господа?

5 Там убоятся они страха, [где нет страха,] ибо Бог в роде праведных.

6 Вы посмеялись над мыслью нищего, что Господь упование его.

7 [Кто даст с Сиона спасение Израилю!] Когда Господь возвратит пленение народа Своего, тогда возрадуется Иаков и возвеселится Израиль.

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Слава III

4 वे कहते हैं, “हम अपनी जीभ ही से जीतेंगे, हमारे होंठ हमारे ही वश में हैं ; हम पर कौन शासन कर सकेगा ?”

5 दीन लोगों के लुट जाने, और दरिद्रों के कराहने के कारण, यहोवा कहता है, “अब मैं उठूँगा, जिस पर वे फुँकारते हैं उसे मैं चैन विश्राम दूँगा।”

6 यहोवा का वचन पवित्र है, उस चाँदी के समान जो भट्ठी में मिट्टी पर ताई गई, और सात बार निर्मल की गई हो ।

7 तू ही हे यहोवा उनकी रक्षा करेगा, उनको इस काल के लोगों से सर्वदा के लिये बचाए रखेगा।

8 जब मनुष्यों में बुराई का आदर होता है, तब दुष्ट लोग चारों ओर अकड़ते फिरते हैं।

1 हे परमेश्वर, तू कब तक ? क्या सदैव मुझे भूला रहेगा ? तू कब तक अपना मुखड़ा मुझसे छिपाए रखेगा ?

2 मैं कब तक अपने मन ही मन में युक्तियाँ करता रहूँ, और दिन भर अपने हृदय में दुःखित रहा करूँ ?, कब तक मेरा शत्रु मुझ पर प्रबल रहेगा ?

3 हे मेरे परमेश्वर यहोवा, मेरी ओर ध्यान दे और मुझे उत्तर दे, मेरी आँखों में ज्योति आने दे , नहीं तो मुझे मृत्यु की नींद आ जाएगी ;

4 ऐसा न हो कि मेरा शत्रु कहे, “मैं उस पर प्रबल हो गया ;” और ऐसा न हो कि जब मैं डगमगाने लगूँ तो मेरे शत्रु मगन हों।

5 परन्तु मैंने तो तेरी करुणा पर भरोसा रखा है ; मेरा हृदय तेरे उद्धार से मगन होगा।

6 मैं यहोवा के नाम का भजन गाऊँगा, क्योंकि उसने मेरी भलाई की है।

1 मूर्ख ने अपने मन में कहा है, “कोई परमेश्वर है ही नहीं।” वे बिगड़ गए, उन्होंने घिनौने काम किए हैं, कोई सुकर्मी नहीं।

2 यहोवा ने स्वर्ग में से मनुष्यों पर दृष्टि की है कि देखे कि कोई बुद्धिमान, कोई यहोवा का खोजी है या नहीं।

3 वे सब के सब भटक गए, वे सब भ्रष्ट हो गए ; कोई सुकर्मी नहीं, एक भी नहीं। (रोम. 3:10,11)

4 क्या किसी अनर्थकारी को कुछ भी ज्ञान नहीं रहता, जो मेरे लोगों को ऐसे खा जाते हैं जैसे रोटी, और यहोवा का नाम नहीं लेते ?

5 वहाँ उन पर भय छा गया, क्योंकि परमेश्वर धर्मी लोगों के बीच में निरन्तर रहता है।

6 तुम तो दीन की युक्ति की हँसी उड़ाते हो परन्तु यहोवा उसका शरणस्थान है।

7 भला हो कि इस्राएल का उद्धार सिय्योन से प्रगट होता ! जब यहोवा अपनी प्रजा को दासत्व से लौटा ले आएगा, तब याकूब मगन और इस्राएल आनन्दित होगा। (भज. 53:6, लूका 1:69)

Псалом 14 · MT 15

Псалом Давида.

1 Господи! кто может пребывать в жилище Твоем? кто может обитать на святой горе Твоей?

2 Тот, кто ходит непорочно и делает правду, и говорит истину в сердце своем;

3 кто не клевещет языком своим, не делает искреннему своему зла и не принимает поношения на ближнего своего4

4 тот, в глазах которого презрен отверженный, но который боящихся Господа славит; кто клянется, хотя бы злому, и не изменяет;

5 кто серебра своего не отдает в рост и не принимает даров против невинного. Поступающий так не поколеблется вовек.

1 हे यहोवा तेरे तम्बू में कौन रहेगा ? तेरे पवित्र पर्वत पर कौन बसने पाएगा ?

2 वह जो सिधाई से चलता और धर्म के काम करता है, और हृदय से सच बोलता है ;

3 जो अपनी जीभ से अपमान नहीं करता, और न अन्य लोगों की बुराई करता, और न अपने पड़ोसी का अपमान सुनता है ;

4 वह जिसकी दृष्टि में निकम्मा मनुष्य तुच्छ है , पर जो यहोवा के डरवैयों का आदर करता है, जो शपथ खाकर बदलता नहीं चाहे हानि उठानी पड़े ;

5 जो अपना रुपया ब्याज पर नहीं देता, और निर्दोष की हानि करने के लिये घूस नहीं लेता है। जो कोई ऐसी चाल चलता है वह कभी न डगमगाएगा।

Псалом 15 · MT 16

Песнь Давида.

1 Храни меня, Боже, ибо я на Тебя уповаю.

2 Я сказал Господу: Ты - Господь мой; блага мои Тебе не нужны.

3 К святым, которые на земле, и к дивным Твоим - к ним все желание мое.

4 Пусть умножаются скорби у тех, которые текут к богу чужому; я не возлию кровавых возлияний их и не помяну имен их устами моими.

5 Господь есть часть наследия моего и чаши моей. Ты держишь жребий мой.

6 Межи мои прошли по прекрасным местам, и наследие мое приятно для меня.

7 Благословлю Господа, вразумившего меня; даже и ночью учит меня внутренность моя.

8 Всегда видел я пред собою Господа, ибо Он одесную меня; не поколеблюсь.

9 Оттого возрадовалось сердце мое и возвеселился язык мой; даже и плоть моя успокоится в уповании,

10 ибо Ты не оставишь души моей в аде и не дашь святому Твоему увидеть тление,

11 Ты укажешь мне путь жизни: полнота радостей пред лицем Твоим, блаженство в деснице Твоей вовек.

1 हे परमेश्वर मेरी रक्षा कर, क्योंकि मैं तेरा ही शरणागत हूँ।

2 मैंने यहोवा से कहा, “तू ही मेरा प्रभु है ; तेरे सिवा मेरी भलाई कहीं नहीं।”

3 पृथ्वी पर जो पवित्र लोग हैं, वे ही आदर के योग्य हैं, और उन्हीं से मैं प्रसन्न हूँ।

4 जो पराए देवता के पीछे भागते हैं उनका दुःख बढ़ जाएगा ; मैं उन्हें लहूवाले अर्घ नहीं चढ़ाऊँगा और उनका नाम अपने होठों से नहीं लूँगा ।

5 यहोवा तू मेरा चुना हुआ भाग और मेरा कटोरा है ; मेरे भाग को तू स्थिर रखता है।

6 मेरे लिये माप की डोरी मनभावने स्थान में पड़ी, और मेरा भाग मनभावना है।

7 मैं यहोवा को धन्य कहता हूँ, क्योंकि उसने मुझे सम्मति दी है ; वरन् मेरा मन भी रात में मुझे शिक्षा देता है।

8 मैंने यहोवा को निरन्तर अपने सम्मुख रखा है : इसलिए कि वह मेरे दाहिने हाथ रहता है मैं कभी न डगमगाऊँगा।

9 इस कारण मेरा हृदय आनन्दित और मेरी आत्मा मगन हुई ; मेरा शरीर भी चैन से रहेगा।

10 क्योंकि तू मेरे प्राण को अधोलोक में न छोड़ेगा, न अपने पवित्र भक्त को कब्र में सड़ने देगा।

11 तू मुझे जीवन का रास्ता दिखाएगा ; तेरे निकट आनन्द की भरपूरी है, तेरे दाहिने हाथ में सुख सर्वदा बना रहता है। (प्रेरि. 2:25-28)

Псалом 16 · MT 17

Молитва Давида.

1 Услышь, Господи, правду [мою], внемли воплю моему, прими мольбу из уст нелживых.

2 От Твоего лица суд мне да изыдет; да воззрят очи Твои на правоту.

3 Ты испытал сердце мое, посетил меня ночью, искусил меня и ничего не нашел; от мыслей моих не отступают уста мои.

4 В делах человеческих, по слову уст Твоих, я охранял себя от путей притеснителя.

5 Утверди шаги мои на путях Твоих, да не колеблются стопы мои.

6 К Тебе взываю я, ибо Ты услышишь меня, Боже; приклони ухо Твое ко мне, услышь слова мои.

7 Яви дивную милость Твою, Спаситель уповающих [на Тебя] от противящихся деснице Твоей.

8 Храни меня, как зеницу ока; в тени крыл Твоих укрой меня

9 от лица нечестивых, нападающих на меня, - от врагов души моей, окружающих меня:

1 हे यहोवा परमेश्वर सच्चाई के वचन सुन, मेरी पुकार की ओर ध्यान दे मेरी प्रार्थना की ओर जो निष्कपट मुँह से निकलती है कान लगा !

2 मेरे मुकद्दमे का निर्णय तेरे सम्मुख हो ! तेरी आँखें न्याय पर लगी रहें !

3 यदि तू मेरे हृदय को जाँचता ; यदि तू रात को मेरा परीक्षण करता, यदि तू मुझे परखता तो कुछ भी खोटापन नहीं पाता ; मेरे मुँह से अपराध की बात नहीं निकलेगी।

4 मानवीय कामों में मैंने तेरे मुँह के वचनों के द्वारा अधर्मियों के मार्ग से स्वयं को बचाए रखा।

5 मेरे पाँव तेरे पथों में स्थिर रहे, फिसले नहीं।

6 हे परमेश्वर, मैंने तुझ से प्रार्थना की है, क्योंकि तू मुझे उत्तर देगा। अपना कान मेरी ओर लगाकर मेरी विनती सुन ले।

7 तू जो अपने दाहिने हाथ के द्वारा अपने शरणागतों को उनके विरोधियों से बचाता है, अपनी अद्भुत करुणा दिखा।

8 अपनी आँखों की पुतली के समान सुरक्षित रख ; अपने पंखों के तले मुझे छिपा रख,

9 उन दुष्टों से जो मुझ पर अत्याचार करते हैं, मेरे प्राण के शत्रुओं से जो मुझे घेरे हुए हैं।

10 они заключились в туке своем, надменно говорят устами своими.

11 На всяком шагу нашем ныне окружают нас; они устремили глаза свои, чтобы низложить меня на землю;

12 они подобны льву, жаждущему добычи, подобны скимну, сидящему в местах скрытных.

13 Восстань, Господи, предупреди их, низложи их. Избавь душу мою от нечестивого мечом Твоим,

14 от людей - рукою Твоею, Господи, от людей мира, которых удел в этой жизни, которых чрево Ты наполняешь из сокровищниц Твоих; сыновья их сыты и оставят остаток детям своим.

15 А я в правде буду взирать на лице Твое; пробудившись, буду насыщаться образом Твоим.

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

10 उन्होंने अपने हृदयों को कठोर किया है ; उनके मुँह से घमण्ड की बातें निकलती हैं।

11 उन्होंने पग-पग पर मुझ को घेरा है ; वे मुझ को भूमि पर पटक देने के लिये घात लगाए हुए हैं।

12 वह उस सिंह के समान है जो अपने शिकार की लालसा करता है, और जवान सिंह के समान घात लगाने के स्थानों में बैठा रहता है।

13 उठ, हे यहोवा ! उसका सामना कर और उसे पटक दे ! अपनी तलवार के बल से मेरे प्राण को दुष्ट से बचा ले।

14 अपना हाथ बढ़ाकर हे यहोवा, मुझे मनुष्यों से बचा, अर्थात् सांसारिक मनुष्यों से जिनका भाग इसी जीवन में है, और जिनका पेट तू अपने भण्डार से भरता है । वे बाल-बच्चों से सन्तुष्ट हैं ; और शेष सम्पत्ति अपने बच्चों के लिये छोड़ जाते हैं।

15 परन्तु मैं तो धर्मी होकर तेरे मुख का दर्शन करूँगा जब मैं जागूँगा तब तेरे स्वरूप से सन्तुष्ट होऊँगा। (भज. 4:6,7, 1 यहू. 3:2)